व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि मशरूम की खेती

के लिए

स्वयं सहायता समूह – वैष्णवी

SHG/CIG नाम	वैष्णवी
वीएफडीएस नाम	चोपाटी महादेव
श्रेणी	दारोह
विभाजन	पालमपुर

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

विषय-सूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक .
1.	परिचय	3
2.	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	4
3.	लाभार्थियों का विवरण	4-5
4.	गांव का भौगोलिक विवरण	5
5.	बाजार की संभावना	5
6.	कार्यकारी सारांश	5
7.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	6
8.	उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण	6
9.	उत्पादन योजना	6
10.	बिक्री और विपणन का विवरण	6-7
11।	स्वोट अनालिसिस	7
12.	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	8
13.	अर्थशास्त्र का विवरण	8-9
14.	लागत लाभ विश्लेषण (प्रति माह)	10
15.	निधि की आवश्यकता	10
16.	निधि के स्रोत	10-11
17.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	11
18.	ब्रेक-इवन बिंदु की गणना	11
19.	बैंक ऋण चुकौती	11
20.	निगरानी विधि	12
21.	टिप्पणी	12
22.	समूह सदस्य की व्यक्तिगत तस्वीरें	13
23.	समूह फोटो	14
24.	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	15
25.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	16

1.परिचय-

मशरूम एक प्रकार का कवक है, जिसका सेवन भोजन के रूप में किया जाता है। दुनिया भर में मशरूम की 20 अलग-अलग प्रजातियों की व्यावसायिक खेती की जाती है। मशरूम को खाद्य श्रृंखला में मान्यता मिली है क्योंकि वे भोजन में पोषक तत्वों की खुराक देते हैं और उनका औषधीय और औषधीय महत्व बहुत अधिक है। माना जाता है कि मशरूम में प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है और कभी-कभी इसे "सब्जी मांस" के रूप में भी जाना जाता है। इनमें कार्बोहाइड्रेट और वसा का स्तर बहुत कम होता है। मशरूम में अन्य फलों और सब्जियों की तुलना में पॉलीसेकेराइड, विटामिन और खनिज भी होते हैं।

मशरूम की खेती सेल्यूलोज और लिग्निन युक्त कृषि अपशिष्टों पर की जा सकती है, जो सेल्यूलोज के अधिक एंजाइम उत्पादन में मदद करते हैं, जो अधिक उपज के साथ सहसंबद्ध है। आप धान, गेहूं और रागी के भूसे, मक्का, बाजरा और कपास, गन्ने, चूरा, जूट और कपास के अपशिष्ट, सूखी घास, इस्तेमाल की गई चाय की पत्ती के अपशिष्ट आदि का उपयोग कर सकते हैं। मशरूम की खेती की प्रक्रिया में खाद तैयार करना, स्पॉन-रन, आवरण और कटाई शामिल है। दुनिया में विभिन्न प्रकार के खाद्य मशरूम उपलब्ध हैं, लेकिन भारत में मुख्य रूप से चार प्रकार के मशरूम की खेती की जाती है।

- सफेद बटन मशरूम
- खाने लायक खुम्बी
- ढींगरी (ऑयस्टर) मशरूम
- धान का भूसा मशरूम

उपरोक्त सभी में से सफ़ेद बटन मशरूम की मांग सबसे अधिक है, इसलिए अधिकांश किसान व्यावसायिक रूप से मशरूम की खेती के लिए इस किस्म का चयन करते हैं। सफ़ेद बटन मशरूम की औसत कीमत 50-100 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच होती है, यह बाजार की मांग पर निर्भर करता है।

मशरूम की खेती उन लोगों के लिए सबसे उपयुक्त है जो बागवानी, पौधे उगाने और कृषि गतिविधियों में गहरी रुचि रखते हैं। चूंकि समूह के सदस्य पहले से ही अपने खेतों में कृषि/बागवानी गतिविधियों में लगे हुए हैं, इसलिए इस आय सृजन गतिविधि को इस वैष्णवी एसएचजी द्वारा अंतिम रूप दिया गया है।

वैष्णवी एसएचजी का गठन हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त) के तहत किया गया है, जो वीएफडीएस चोपाती महादेव के अंतर्गत आता है। इस एसएचजी में 9 महिलाएं हैं और इस परियोजना के वित्तपोषण, प्रशिक्षण और सहायता की मदद से वे बड़े पैमाने पर मशरूम का उत्पादन कर सकेंगी, आत्मनिर्भर बन सकेंगी और आय अर्जित कर सकेंगी। इसलिए एसएचजी ने अपनी निवेश क्षमता, विपणन और प्रचार रणनीति के अनुसार एक विस्तृत व्यवसाय योजना तैयार की है और विस्तृत कार्य योजना पर नीचे चर्चा की जाएगी:

2. विवरण काएसएचजी/सीआईजी

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	वैष्णवीचोपाटी
2.	वीएफडीएस	महादेव डरोह
3.	श्रेणी	पालमपुर
4.	विभाजन	साई
5.	गाँव	भेड्डू महादेव
6.	अवरोध पैदा करना	कांगड़ा
7.	ज़िला	09
8.	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	10-11-2021
9.	गठन की तिथि	50073949280
10.	बैंक खाता सं.	केसीसी दारोह
11.	बैंक विवरण	50 रूपये प्रति सदस्य
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	7000
13.	कुल बचत	-
14.	कुल अंतर ऋण	-
15.	नकद क्रेडिट सीमा	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	एम/एफ	पिता/पति का नाम	वर्ग	पद का नाम	संपर्क नंबर।
1	दीपिका बाला	एफ	राजीव कुमार	अनुसूचित जाति	अध्यक्ष	8679423602
2	नेहा देवी	एफ	गुरदीप सिंह	अनुसूचित जाति	सचिव	6530575316
3	पूजा देवी	एफ	अनिल कुमार	अनुसूचित जाति	सदस्य	9816933314
4	कमला देवी	एफ	जगत राम	अनुसूचित जाति	सदस्य	8894015617
5	रेखा देवी	एफ	ज्योति प्रकाश	अनुसूचित जाति	सदस्य	8894672747
6	सुनीता देवी	एफ	ज्ञान चंद	अनुसूचित जाति	सदस्य	8894430452

7	गायत्री देवी	एफ	स्वर्गीय नाथू राम	अनुसूचित जाति	सदस्य	8894327229
8	सुनीता कुमारी	एफ	संजीव कुमार	अनुसूचित जाति	सदस्य	6230061946
9	सरला देवी	एफ	रमेश कुमार	अनुसूचित जाति	सदस्य	9816221494

4.गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिले से दूरी किमीमुख्यालय	धर्मशाला - 57
2	मुख्य सड़क से दूरी	200 मीटर
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	भवारना एवं 6 किमी दारोह और 5 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं किमीदूरी	भवारना और 6
5	मुख्य शहरों के नाम एवं किमीदूरी	पालमपुर - 18
6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा जाएगा/ बाजार	पालमपुर - 18 किमी

5. बाजार की संभावनाएं-

मशरूम की खेती घरेलू और निर्यात दोनों ही बाज़ारों में एक बढ़ता हुआ उद्योग है। मशरूम में फलों और सब्ज़ियों से ज़्यादा प्रोटीन होता है और कोलेस्ट्रॉल भी कम होता है। प्रोटीन के अलावा, मशरूम में विटामिन बी, सी, डी, राइबोफ्लेविन, थायमिन और निकोटीन एसिड जैसे विटामिन भी भरपूर मात्रा में होते हैं। साथ ही, इसमें आयरन, पोटैशियम और फोलिक एसिड भी भरपूर मात्रा में होता है, जो रक्त संचार को बेहतर बनाने और कमियों को रोकने के लिए जाना जाता है। ऊपर बताए गए पोषण मूल्यों के कारण मशरूम की बाज़ार में काफ़ी संभावनाएँ हैं। मशरूम एक ऐसा व्यंजन है जो हर मौसम में खाया जाता है और इसकी पूरे साल बहुत ज़्यादा माँग रहती है। हालाँकि, गर्मियों के दौरान पर्यटकों और शादी समारोहों में इसकी माँग ज़्यादा होती है।

6.कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा मशरूम की खेती से आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह IGA इस SHG की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा सालाना की जाएगी। मशरूम की खेती की प्रक्रिया में लगभग 3-4 महीने लगते हैं (बटन मशरूम/ढिंगरी मशरूम)। उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, बैग में स्प्रे पंप द्वारा पानी देना और कटाई, बाजार के लिए मशरूम की पैकिंग जैसी प्रक्रिया शामिल है। उत्पाद को सीधे समूह द्वारा या अप्रत्यक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और निकट बाजार के थोक विक्रेताओं के माध्यम से शुरू में बेचा जाएगा।

7. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	मशरूम की खेती
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

8. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण-

- समूह मशरूम की खेती करेगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा पूरे वर्ष संचालित की जाएगी।
- मशरूम की खेती की प्रक्रिया में लगभग 3 से 4 महीने लगते हैं।
- अनुमान/अनुभव के आधार पर - एक बैग से 3 किलो उपज प्राप्त होती है। 3 से 4 महीने की अवधि में। उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, नमी, कटाई और पैकिंग जैसी प्रक्रियाएँ शामिल हैं।

9. उत्पादन योजना -

1	मशरूम की खेती के लिए उत्पादन चक्र (दिनों में)	3-4 महीने
2	प्रति चक्र आवश्यक मानव शक्ति (संख्या)	8 सदस्य
3	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5	प्रति चक्र आवश्यक स्पॉन मात्रा (किग्रा में)	160 किग्रा.
6	प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (किग्रा.)	800 किलोग्राम

10. बिक्री एवं विपणन का विवरण -

1	संभावित बाज़ार स्थान	डरोह, भवारना, पालमपुर
2	इकाई से दूरी	क्रमशः 5 किमी, 6 किमी, 18 किमी
3	उत्पादन बाज़ार/स्थानों की मांग	दैनिक मांग

4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार की मांग के अनुसार खुदरा या थोक विक्रेता की सूची का चयन करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद को नजदीकी बाजारों में बेचा जाएगा।

5	उत्पाद की विपणन रणनीति	स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से अपना उत्पाद बेचेंगे। इसके अलावा, खुदरा विक्रेता, थोक विक्रेता के माध्यम से भी नजदीकी बाजारों में उत्पाद बेचा जाएगा। शुरुआत में उत्पाद 200 और 500 ग्राम की पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन सीआईजी/एसएचजी ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस आईजीए को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद "नारा"	"साइ" मशरूम की खेती स्वयं सहायता समूह का एक उत्पाद"

11स्वोट अनालिसिस-

- ताकत -
  - बाजार में तैयार कम्पोस्ट बैग उपलब्ध हैं।
  - उत्पादन लागत कम है, उपज उच्च गुणवत्ता की है और फसल चक्र छोटा है तथा उत्पादन पूरे वर्ष किया जा सकेगा।
  - उचित पैकिंग और परिवहन में आसानी
  - उत्पाद का शेल्फ जीवन लंबा है

- कमजोरी -
  - विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
  - मशरूम की खेती में अनुभव की कमी।

- अवसर -
  - त्यौहार और शादी के अवसर पर उच्च मांग
  - बाज़ारों का स्थान
  - दैनिक/साप्ताहिक खपत और सभी मौसमों में सभी खरीदारों द्वारा उपभोग

- खतरे/जोखिम –
  - विनिर्माण एवं पैकेजिंग के समय तापमान एवं नमी का प्रभाव, विशेषकर सर्दियों एवं बरसात के मौसम में।
  - कभी-कभी हानिकारक संक्रमण फसल को नष्ट कर सकता है।

12. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण-

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य कार्य को पूरा करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार कार्य का बंटवारा किया जाएगा।

- ❖ कुछ समूह सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।
- ❖ कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- ❖ समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे।

13.अर्थशास्त्र का विवरण -

ए	पूंजीगत लागत			
क्र. सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट दर	मात्रा
1	तीन स्तरीय लकड़ी/बांस रेक का निर्माण फिटिंग	एल/एस		15000
2	छत पंखे की स्थापना	1	2000	2000
3	निकास पंखों की स्थापना	2	1500	3000
4	रूम हीटर/ब्लोअर	2	2300	4600
5	सूखा और गीला थर्मामीटर और हाइग्रोमीटर	1	2500	2500
6	वजन मापने वाली इलेक्ट्रॉनिक मशीन	1	1500	1500
7	गर्म प्लास्टिक छत रॉड	1	1500	1500
8	मध्यम स्प्रे पंप	2	1800	3600
9	तेज चाकुओं का सेट	2	100	200
10	कैंची	1	400	400
11	ट्रे/टोकरी	4	200	800
12	टोकरा	4	600	2400
13	ढींगरी स्पॉन बैग	10	150	1500
14	पानी का टब (40-50 लीटर)	2	700	1400
15	पानी की टंकी 1000 लीटर परिवहन शुल्क सहित	1	8000	8000
16	पानी और बिजली फिटिंग सामग्री और शुल्क	एल/एस		4000
17	मिश्रित	एल/एस		4000
कुल पूंजी लागत				56400

बी	आवर्ती लागत				
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा	यूनिट दर	मात्रा
1	किराये के कमरे/हॉल की कीमत	माह सं.	3		3000
2	फॉर्मेलिनकम्पो		एल/एस	1000	300
3	स्ट बैग		160		16000
4	पैकेजिंग सामग्री	किलो	एल	100	3000
5	परिवहन स्पॉन	ग्राम	/ए		2000
6	बिजली शुल्क	महीना	सए		16000
7	विविध (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद बुक आदि)		ल/	100	5000
			एस	1000	

कुल आवर्ती लागत (बी) =45300

नोट – समूह के सदस्य स्वयं कार्य करेंगे, इसलिए श्रम लागत इसमें शामिल नहीं की गई है तथा सदस्य आपस में मिलकर कार्यसूची का प्रबंध करेंगे।

उत्पादन लागत:

सी. उत्पादन की लागत		
एस। नहीं।	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	45,300
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	5,640
कुल =		50,940

डी. विक्रय मूल्य गणना			
क्र. सं.	विवरण	इकाई	राशि रु.
1	वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	120-150
2	एसएचजी द्वारा अपेक्षित विक्रय मूल्य	किलोग्राम	100

ई. मशरूम की खेती की बिक्री से औसत मासिक आय				
क्र. सं.	विवरण	मात्रा किलोग्राम	प्रति लागत किलोग्राम	मात्रा
1	मशरूम	800	100	80000

14. लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)

लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)		
एस। नहीं।	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	45300
2	कुल बिक्री राशि	80000
3	शुद्ध लाभ (बिक्री राशि - आवर्ती लागत)	34700
4	शुद्ध लाभ का वितरण	✧ लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

15. स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था -

क्र. सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	स्वयं सहायता समूह योगदान
1	कुल पूंजी लागत	56,400	42,300	14,100
2	कुल आवर्ती लागत	45,300	0	45,300
3	प्रशिक्षण/क्षमताभवन निर्माण/कौशल उन्नयन।	50,000	50,000	0
कुल		151,700	92,300	59,400

टिप्पणी:
i) पूंजीगत लागत- 75% पूंजीगत लागत परियोजना द्वारा तथा 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।
ii) आवर्ती लागत- स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।
iii) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

16. निधि के स्रोत -

परियोजना समर्थन	✧ यदि सदस्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/गरीब महिला वर्ग से हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 75% वहन किया जाएगा। यदि सदस्य सामान्य वर्ग से हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 25% वहन किया जाएगा। ✧ एसएचजी बैंक खाते में 25000.00 रुपये तक की धनराशि जमा की जाएगी। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी मिलेगी	खरीद का मशीनें/उपकरणसंबंधित डीएमयू/एफसीसी द्वारा किया जाएगा यू सभी का पालन करने के बाद कोड ल औपचारिकताएं.
	डीएमयू द्वारा सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा किया जाएगा और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी को मूल राशि की किश्तों का भुगतान करना होगा नियमित आधार।	
स्वयं सहायता समूह योगदान	✧ सामान्य श्रेणी और अन्य श्रेणियों के लिए पूंजीगत लागत का 25% क्रमशः स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।	

17. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी। निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और विपणन
- वित्तीय प्रबंधन

18. ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना -

= पूंजीगत व्यय/(विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)-उत्पादन लागत (प्रति किग्रा))

= 56,400/(100-50)

= 1128 किलोग्राम

इस प्रक्रिया में 1128 किलोग्राम मशरूम की खेती बेचने के बाद लाभ-हानि प्राप्त होगी।

19. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

- सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

- परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

20. निगरानी विधि-

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय पीढ़ी
- उत्पाद की गुणवत्ता

21. टिप्पणी

यह समूह कच्चे माल की उपलब्धता और बाजार की प्रतिक्रिया के आधार पर मौसमी सब्जियों की मशरूम की खेती करेगा।

22.समूह सदस्य की व्यक्तिगत तस्वीरें

दीपिका बाला (अध्यक्ष)

नेहा देवी (सचिव)

पूजा देवी

कमला देवी

रेखा देवी

सुनीता देवी

गायत्री देवी

सुनीता देवी

सरला देवी

23.समूह फोटो:

24.संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group Vaishnvi held on 10.06.2023 at Sai that our group will undertake the Mashroom Cultivation as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

Signature of group President

प्रधान सचिव
वैष्णवी स्वयं सहायता समूह
ग्राम पंचायत भौडा, गाव साई
सुलह मेड़ महादेव (कागड़ा) हि.प्र

Neha kumari

Signature of group Secretary

सचिव
वैष्णवी स्वयं सहायता समूह
ग्राम पंचायत भौडा, गाव साई
डा.घ. सुलह मेड़ महादेव (कागड़ा) हि.प्र

Signature of VFDS President

प्रधान
ग्राम पंचायत भौडा
तहसील पालमपुर
जिला कांगड़ा हि॰ प्र॰

25.वीएफडीईएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन

Business Plan Approval by VFDS and DMU.

Vaishnvi Group will undertake the Mashroom as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).In this regard business Plan of Amount Rs. 151700 has been submitted by the group on 10.08.2023 and the Business Plan has been approved by VFDS Chopati Mahadev (Bhoda)

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You.

Signature of group President
प्रधान सचिव
वैष्णवी स्वयं सहायता समूह
ग्राम पंचायत भौडा, गाव साई
डा.ख. सुलह भेडू महादेव (कांगड़ा) हि.प्र

Signature of group Secretary
Neha Kumari
सचिव
वैष्णवी स्वयं सहायता समूह
ग्राम पंचायत भौडा, गाव साई
डा.ख. सुलह भेडू महादेव (कांगड़ा) हि.प्र

Signature of VFDS President
ग्राम वन विकास समिति चौपटी महादेव (भोड़ा)
ग्राम पंचायत भोडा साई
तहसील पालमपुर
जिला कांगड़ा हि० प्र०

Approved

DM / DFO Palampur
Divisional Management Unit,
Palampur Forest Division,
Palampur